Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 07-12-2006

Participants : Rathod Shri Harisingh Nasaru

an>

Title: Alleged irregularities in disbursement of loans to farmer under P.M. Vidarbha package in Vidarbha Region of Maharashtra.

श्री हरिभाऊ राठौड़ (यवतमाल): सभापति महोदय, मैं अत्यन्त ही गम्भीर मामले को आपके सामने रखना चाहता हूं। मेरा क्षेत्र यवतमाल, जहां सबसे ज्यादा किसानों की आत्महत्याएं हो रही हैं, प्रधानमंत्री जी वहां आये थे और उन्होंने 3750 करोड़ रुपये का पैकेज दिया। इनमें से 750 करोड़ रुपये केवल किसानों के ऋण और उनके ब्याज के लिए था। बैंकों ने यह किया कि इन किसानों की जो एक्चुअल स्कीम थी, वह पैकेज यह था कि जो आउटस्टेंडिंग ओरिजनल लोन था, उसकी पांच इन्सटालमेंट्स कर दी गई थीं और जो ब्याज था, वह सरकार को भरना था। पांच साल तक जो इण्टरैस्ट एक्रूड होगा, वह भी सरकार भरने वाली थी, लेकिन बैंकों ने यह किया, मैं एग्जाम्पल देता हूं कि 40 हजार रुपये अगर बकाया है तो उन्होंने 60 हजार रुपये लोन सैंक्शन कर दिया और 40 हजार रुपये उसमें से रिकवरी कर ली। पैकेज तो यह था, आप इसे समझ लीजिए, यह बहुत बड़ा करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है, अगर मैं नहीं बता पाऊंगा तो सरकार कुछ नहीं समझ पाएगी और कुछ फायदा नहीं होगा। जो 40 हजार रुपये बकाया था, उसे 60 हजार रुपया सैंक्शन कर दिया।...(व्यवधान) आप सुनिये तो सही, मैं एक सैकिण्ड में बता देता हूं।...(व्यवधान)

सभापति महोदय:सदन में दूसरे नियम में आप आइये, आज डिमांड कर दीजिए। विाय को सदन में रखने के कई तरीके हैं, उसके नियम बने हुए हैं।

श्री हरिभाऊ राठौड़: यह इतना बड़ा घोटाला हुआ, करोड़ रुपये बैंक मैनेजर खा गये। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय:आप तो अनुभवी सांसद हैं, आपको सदन के नियम मालूम हैं। इस सदन में अपनी बात रखने की नियमावली बनी हुई है। आप बात लम्बी नहीं कर सकते, यह स्पेशल मैंशन है।

श्री हरिभाऊ राठौड़: किसान मरते जा रहे हैं, सरकार नहीं सुनेगी, आप नहीं सुनेंगे तो किसान मरता जायेगा। इतने बड़े-बड़े घोटाले हो रहे हैं। आप प्राइम मिनिस्टर को तो समझने दीजिए। वे जो गये तो उन्होंने क्या किया, पैकेज क्या था, क्या सरकार को भी मालूम है कि पैकेज क्या था? क्या कोई बता सकता है?...(व्यवधान)

सभापति महोदय: आप मांग करिये न, आपकी क्या मांग है।

श्री हरिभाऊ राठौड़: देखिये, आप ऐसा मत कीजिए, किसानों की आवाज को मत दबाइये।यह बहुत बड़ा घोटाला हुआ था, मैं समझ रहा था कि जहां 60 हजार सैंक्शन किया था, 40 हजार रुपये उसमें से बकाया काट लिया और 20 हजार में से सैंक्शन करते हुए मैनेजर ने...(व्यवधान)

सभापति महोदय:यह विधिवत नोटिस देकर एग्रीकल्चर मिनिस्टर के नोटिस में लाना होगा, यह विाय बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री हरिभाऊ राठौड़: मैं आपके माध्यम से और सदन के माध्यम से अगर नोटिस में नहीं लाऊंगा तो कैसे लाऊंगा?...(व्यवधान)

सभापति महोदय:आप इस विाय को हल्का क्यों कर रहे हैं, यह विाय बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री हरिभाऊ राठौड़: तो मैं कौन सी जगह जाऊं, मैं इस बात को कहां रखूं, मैं यहां नहीं रख सकता तो आप बताइये कि कौन सी जगह है कि किसान जो आत्महत्या कर रहा है, उसकी बात मैं कहां रखूं?...(व्यवधान)

सभापति महोदय:आप सरकार से अपनी डिमांड करिये, मैं आपको एक मिनट समय देने के लिए तैयार हूं, आप सरकार से डिमांड कीजिए।

श्री हरिभाऊ राठौड़: मेरी डिमांड यह है कि इसकी जांच करवाई जाये, यह सिम्पल चीज है। पैकेज के बारे में जो घोटाला हुआ, इसमें बैंक के मैनेजरों द्वारा एजेण्ट लगाये गये और किसानों को ऋण देते टाइम कमीशन खाया और बहुत बड़ी धांधली, बहुत बड़ा घोटाला हुआ, उसकी जांच होनी चाहिए और जो पैसा उन्होंने रिकवर किया है, वह वापस किसानों को मिलना चाहिए, यह मेरी मांग है। धन्यवाद।